B.A. - I CBCS Pattern Semester-I

BA12B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 | **GUG/S/24/10013**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 0 0 1 7 *

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तरं लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा पञ्चवग्गिये भिक्खू आमन्तेसि- 'व्दे मे भिक्खवे अन्ता पब्बजितेन न सेवितब्बा। कतमे व्दे? यो चयं कामेसु कामसुखल्लिकानुयोगो हीनो गम्मो पोथुज्जनिको अनरियो अनत्थसंहितो, यो चायं अत्तकिलमथानुयोगो दुक्खो अनरियो: अनत्थसंहितो। एते खो, भिक्खवे, उभो अन्ते अनुपगम्म मज्झिम पटिपदा तथागतेन अभिसम्बुध्दा चक्खुकरणी ञाणकरणी उपसमाय अभिञ्ञाय सम्बोधाय निब्बाणाय संवत्तति'। कतमा च सा भिक्खवे, मज्झिमा पटिपदा तथागतेन अभिसम्बुध्दा, चक्खुकरणी ञाणकरणी उपसमाय अभिञ्ञाय सम्बोधाय निब्बाणाय संवत्तति? अथमेव अरियो अट्ठांङिगको मग्गो।

किंवा / अथवा

अथ खो तपुस्सभल्लिकानं वाणिजानं ञातिसालोहिता देवता तपुंस्सभल्लिके वाणिजे एतदवोचं - "अयं मारिसा, भगवा राजायतनमूले विहरित पठमाभिसम्बुध्दो गच्छथ तं भगवन्तं मन्थेन च मधुपिण्डिकाय च पतिमानेथ: तं वो भविस्सति दीघरत्तं हिताय सुखाया'ति। अथ खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा मन्थं च मधुपिण्डिकं च आदाय येन भगवा तेनुपसङकमिसु, उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अटठंसु। एकमन्तं ठिता खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा भगवन्तं एतरवोचुं - "पटिग्गण्हातु नो, भन्ते, भगवा मन्थं च मधुपिण्डिकं च, यं अम्हाकं अस्स दीघरत्तं हिताय सुखाया" ति। अथ खो भगवतो एतदहोसि - 'न खो तथागता हत्थेसु पटिग्गण्हन्ति।

ब) पालि भाषेचा परिचय तुमच्या शब्दांत लिहा. **6**
पालि भाषा का परिचय तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

तीन संगीतीच्या आधारे तिपिटकाचे संकलन सांगा.
तीन संगीतीयों के आधार पर तिपिटक संकलन बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) पुनप्पुनं चेव वपन्ति बीजं, पुनप्पुनं वस्सति देवराजा।
पुनप्पुनं खेत्तं कसन्ति कस्सका, पुनप्पुनं छत्रमुपेति रट्ठं॥

2) पुनप्पुनं याचनका चरन्ति, पुनप्पुनं दानपति ददन्ति।
पुनप्पुनं दानपती ददित्वा, पुनप्पुनं सग्गमुपेन्ति ठानं॥

3) वीरो हवे सत्तयुगं पुनेति, यस्मिं कुले जायति भूरिपञ्ञो।
मञ्ञामहं सक्कति देवदेवो, तया हि जातो मुनि सच्चनामो॥

4) सुध्दोदनो नाम पिता महेसिनो, बुध्दस्स माता पन मायानामा।
या बोधिसत्तं परिहरिय कुच्छिना कायस्स भेदातिदिवम्हि मोदति।

किंवा / अथवा

1) समणा ति त्व सयसि, समणा ति पबुज्जीसि।
समणानमेव कितेसि, समणी नून भविस्ससि॥

2) विपुलं अन्नं च पानं च, समणानं पवेच्चसि।
रोहिणी दानि पुच्छामि, केन ते समणा विया॥

3) अकम्पकामा अलसा, परदत्तू पजीविनो।
आसंसुका सादुकामा, केन ते समणा पिया॥

4) चिरस्स वत मं तात, समणानं परिपुच्छासि।
तेसं ते कित्तयिस्सामि, पञ्ञासीलपरक्कमं॥

ब) चाफाथेरीचे जीवन वृत्तांत लिहा. **6**
चाफाथेरी का जीवन वृत्तांत लिखिए।

किंवा / अथवा

सोपाक थेरांचे जीवनपट तुमच्या शब्दांत लिहा.
सोपाक थेरं का जीवनपट तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

सर्वत विजितम्हि देवानंप्रियस पियदसिनो राञो एवमपि प्रचंतेसु यथा चोडापाडा सतियपुत्तो केतलपुतो आ तद्यपंणी अंतियको योनराजा ये वा पि तस अंतियकस सामीपं राजानो सर्वत्र देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो व्दे चिकीछ कता मनुसचिकीछा च पसुचिकिछा च। ओसुढानि च यानि मनुसोपगानि च पसोपगानि च यत यत नस्ति सर्वत्रा हारापितानि च रोपापितानी च।

मूलानि च फलानि च यत्र नास्ति सर्वत हारापितानि च रोपापितानि च।
पंथंसू कूपा च खानापिता व्रछा च रोपापिता परिभोगाय पसुमनुसानं।

किंवा / अथवा

देवानंपियो पियदसि राजा एव आह-

व्दादसवासाभिसितेन मया इदं आयपितं।

सर्वत विजिते मम युता च राजूके च प्रादेसिके च पंचसु पंचसु वासेसु अनुसंयानं नियातु एतायेव अथाय इमाय धमानुसस्टिय यथा अजाय पि कमाय।

साधु मातरि च पितरि च सूसूसा मित्रसस्तुतञातीन ब्राह्मण-समणानं साधु दान प्राणानं साधु अनारभो अपव्ययता अपभांडता साधु परिसा पि युंते आञपयिसति गणनायं हेतुतो च व्यंजनतो च।

ब) देवानंप्रिय पियदस्सी राजाच्या पाकशाळेत रोज किती प्राण्यांची हत्या केली जात होती व त्याने कोणती आज्ञा केली. **6**

देवानंप्रिय पियदस्सी राजाके पाकशाला में रोज कितने प्राणीयों की हत्या की जाती थी। और उसने क्या आज्ञा की थी।

किंवा / अथवा

गिरनार शिला अभिलेख चतुर्थ सविस्तार लिहा.

गिरनार शिला अभिलेख चतुर्थ विस्तारपूर्वक लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय तयार करा **कोणतेही एक.** **4**

विभक्ती प्रत्यय तयार कीजिए **कोई भी एक।**

1) बुध्द 2) लता

3) अट्ठी 4) मुनि

ब) वर्तमान काळाची रुपे तयार करा **कोणतेही दोन.** **4**

वर्तमान काल के रुप तयार कीजिए **कोई भी दो।**

1) कर 2) वद

3) पठ 4) लिख

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**

स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) सो नरो याचको न भवति।

2) मयं धम्मं वदाम।

3) त्वं धम्मं गायसि।

4) भरियाय कुच्छिस्मिं व्याधि भवति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मी बागेत काम करते.
मै बाग में काम करती हूँ।

2) आम्ही शाळेत जातो.
हम स्कूल जाते है।

3) ती पुस्तक वाचते.
वह किताब पढ़ती है।

4) भिक्खू वनात ध्यान करतो.
भिक्खू वन में ध्यान करता है।

5. अ) टिपा लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) महावग्ग 2) बोधिसत्व

3) चत्तारि अरिय सच्चानि 4) थेरगाथा

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) बौध्दांच्या धम्मग्रंथाला काय म्हणतात.
बौध्दों के धम्मग्रंथ को क्या कहते है।
अ) तिपिटक ब) सुत्तपिटक
क) अभिधम्मपिटक ड) अनुपिटक

2) धम्मचक्क पब्बत्तन सुत्तं कुठे येते.
धम्मचक्क पब्बत्तन सुत्तं कहाँ आता है।
अ) महावग्ग ब) उदान
क) जातक ड) धम्मपद

3) अट्ठांङिगको मग्गोतील पहिले अंग कोणते.
अट्ठङिगको मग्गो का पहला अंग कौनसा।
अ) सम्मादिट्ठी ब) सम्मासंकल्पो
क) सम्मावाणी ड) सम्माकम्मन्तो

4) दुक्खनिरोधगामिणी पटिपदा कोणते अरिय सत्य होय.
दुक्खनिरोधगामिनी पटीपदा कौनसा अरिय सत्य है।

अ) प्रथम ब) दुतिय
क) ततिय ड) चतुर्थ

5) ताबडतोब धम्म ग्रहण करणारा हा प्रथम भिक्खु होय.
तुरंत धम्म को ग्रहण करनेवाला यह प्रथम भिक्खू है।

अ) महानाम ब) अस्सजी
क) वप्प ड) अय्याकोण्डिल्य

6) थेरीगाथा ग्रंथात एकूण थेरी किती आहेत.
थेरीगाथा ग्रंथ में कूल थेरी कितनी है।

अ) 70 ब) 71
क) 72 ड) 73

7) 'भिक्खू इकडे ये' ही काय आहे.
"भिक्षू इधर आईए' यह क्या है।

अ) उपसंपदा ब) प्रव्रज्ज्या
क) प्रतिज्ञा ड) आज्ञा

8) 'तेन मे समणा पिया' कोण म्हणते.
'तेन में समणा पिया' कौन कहता है।

अ) रोहिणी ब) चाफा
क) आम्रपाली ड) सुजाता

9) मनुष्य व पशुचिकित्सा कोणत्या शिलालेखात येते.
मनुष्य एवं पशुचिकित्सा किस शिलालेख में आती है।

अ) प्रथम ब) दुतिय
क) ततिय ड) चतुर्थ

10) पालित स्वर किती आहेत.
पालि में स्वर कितने है।

अ) 08 ब) 10
क) 12 ड) 16

****